Devbhoomi Divyangjan Gurukul

(Each One ,Teach One)

Project Proposal

Establishment of an

Offline Learning & Rehabilitation Center

— For Visually Impaired Students —

An Initiative for Inclusive Education and Rehabilitation

Submitted By

Sudhowala, Dehradun
Uttarakhand, India

Contact Information

+918923332987
www.ddg.org.in
ddgamitsinghnegi@gmail.com
Sudhowala, Dehradun, Uttarakhand

Empowering visually impaired individuals through education, rehabilitation, and independent living.

DDG BUILDING PLAN

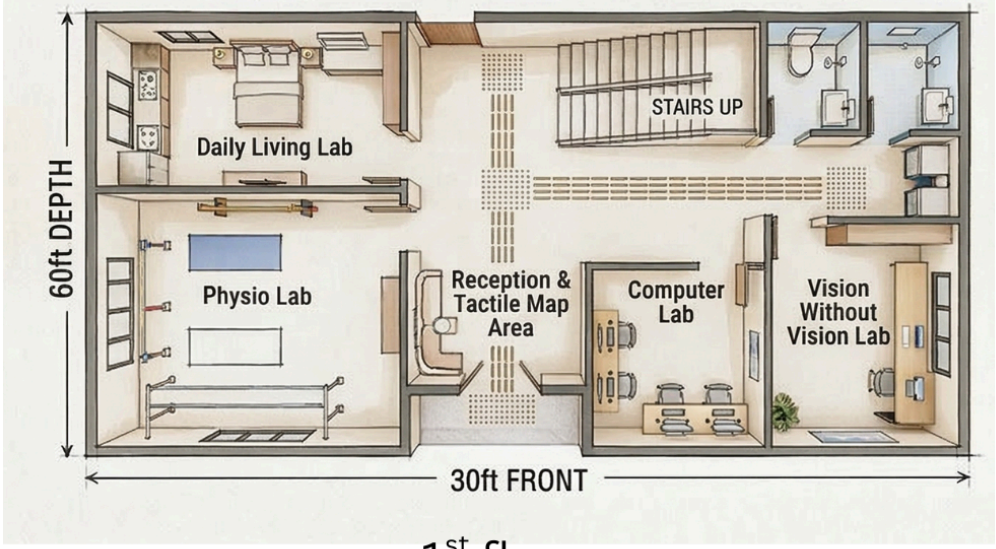

1st floor

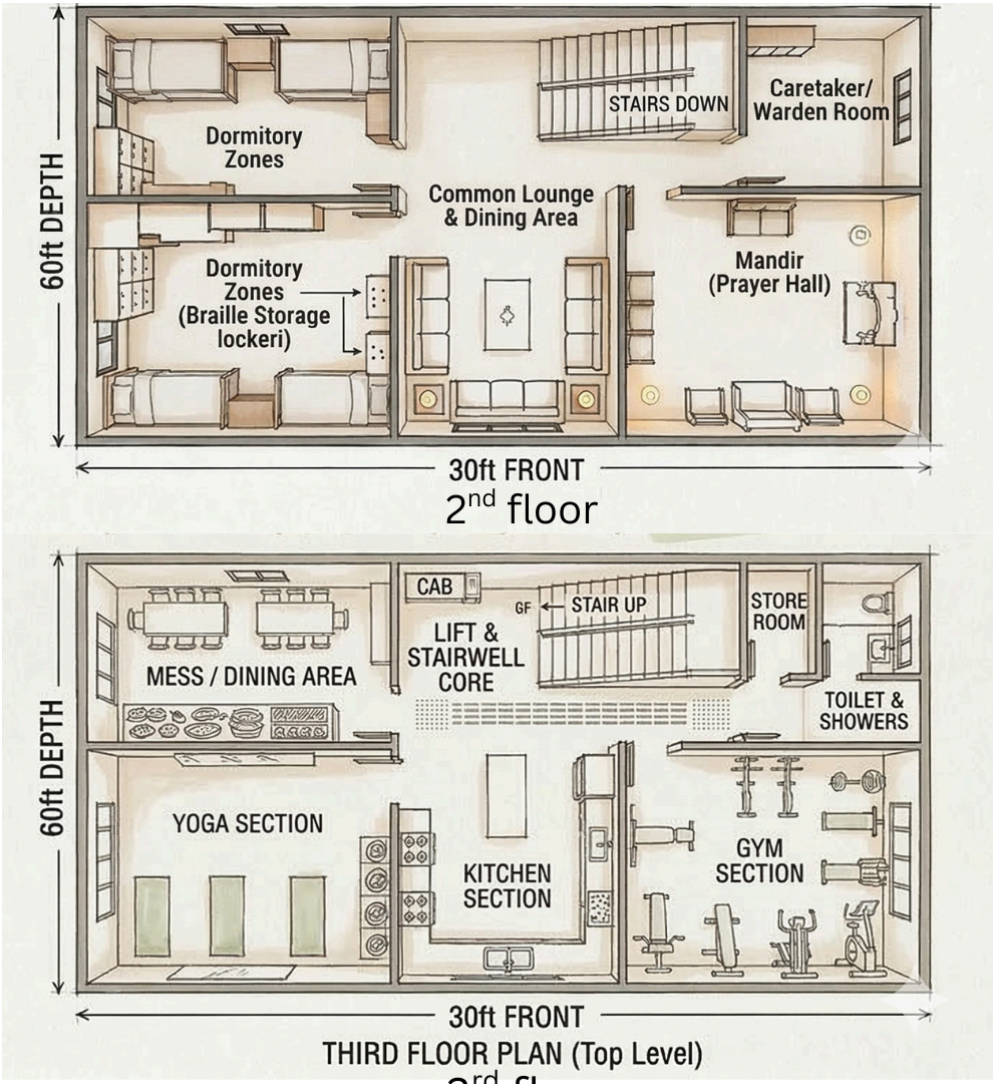
60ft DEPTH
Dormitory Zones
STAIRS DOWN
Caretaker/ Warden Room
Common Lounge & Dining Area
Dormitory Zones (Braille Storage lockeri)
Mandir (Prayer Hall)
30ft FRONT
2nd floor
60ft DEPTH
CAB
GF
STAIR UP
STORE ROOM
MESS / DINING AREA
LIFT & STAIRWELL CORE
TOILET & SHOWERS
YOGA SECTION
KITCHEN SECTION
GYM SECTION
30ft FRONT
THIRD FLOOR PLAN (Top Level)
3rd floor

परिचय और मिशन (Introduction & Mission)

संस्था का परिचय (About the Trust)
देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल एक पंजीकृत सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट है (रजिस्ट्रेशन संख्या: 313/2025) , जिसका मुख्यालय सुधोवाला, विकासनगर, देहरादून (उत्तराखंड) में स्थित है। हमारी स्थापना का मुख्य ध्येय दिव्यांगजनों, विशेषकर दृष्टिबाधित व्यक्तियों और समाज के वंचित वर्गों का सर्वांगीण विकास करना है। संस्था के संस्थापक और मैनेजिंग ट्रस्टी श्री अमित सिंह नेगी स्वयं एक दृष्टिबाधित शिक्षक हैं, जो जमीनी स्तर पर दिव्यांगजनों की चुनौतियों को समझते हुए उन्हें सशक्त बनाने के लिए समर्पित हैं। ट्रस्ट का प्रबंधन एक अनुभवी बोर्ड द्वारा किया जाता है जिसमें श्रीमती सीता मेहरा (सचिव) और श्री रोहित सिंह रावत (कोषाध्यक्ष) जैसे समर्पित सदस्य शामिल हैं।

हमारा मिशन (Our Mission)

· पूर्ण आत्मनिर्भरता (Self-Reliance): हमारा प्राथमिक लक्ष्य दृष्टिबाधित भाई-बहनों को आधुनिक कंप्यूटर शिक्षा (I.C.T.), कोडिंग और डिजिटल कौशल में निपुण बनाकर उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र और सशक्त बनाना है।
· बाधा-मुक्त वातावरण (Accessibility): हम एक ऐसे भौतिक परिसर का निर्माण कर रहे हैं जो टेकटाइल पाथवे, रैंप और ब्रेल-अनुकूल सुविधाओं से लैस हो, ताकि छात्र पूरी तरह से स्वतंत्र जीवन जीने का अनुभव कर सकें।
· व्यावहारिक कौशल और पुनर्वास (Rehabilitation): केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि ओरिएंटेशन, मोबिलिटी ट्रेनिंग और दैनिक जीवन के कौशल सिखाकर छात्रों को हर चुनौती के लिए तैयार करना।
· समावेशी समाज का निर्माण (Inclusive Society): समाज में दिव्यांगता के प्रति व्याप्त गलत धारणाओं को दूर करना और जागरुकता (IEC गतिविधियों) के माध्यम से एक संवेदनशील वातावरण तैयार करना।
· शैक्षणिक एवं व्यावसायिक उत्कृष्टता (Excellence): छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना और उनके भीतर छिपी कला व संस्कृति के कौशल को वैश्विक मंच प्रदान करना।
· कला एवं संस्कृति का संरक्षण: दिव्यांग कलाकारों और ग्रामीण कारीगरों के कौशल को तराशना और उनके उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाना।
· मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य (Holistic Wellbeing): योग, ध्यान और नैतिक मूल्यों (जैसे भगवत गीता पाठ) के माध्यम से छात्रों को मानसिक रूप से सुदृढ़ और तनाव-मुक्त बनाना।

हमारी उपलब्धियां (Key Achievements)

देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल ने अपने अल्प कार्यकाल में ही दृष्टिबाधितों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण मील के पत्थर स्थापित किए हैं। हमारी सफलता केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि उन छात्रों के आत्मविश्वास में झलकती है जो अब समाज की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं ।

- तकनीकी सशक्तिकरण: ट्रस्ट द्वारा संचालित "I.C.T. Basic to Advance" कोर्स के माध्यम से सैकड़ों दृष्टिबाधित छात्र कंप्यूटर और स्मार्टफोन के उपयोग में पूर्णतः निपुण हो चुके हैं ।
- आत्मनिर्भरता की राह: हमारे कई प्रशिक्षित छात्र वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में गरिमापूर्ण रोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भर जीवन जी रहे हैं ।
- मानसिक एवं सांस्कृतिक उत्थान: नियमित रुप से आयोजित ऑनलाइन कार्यशालाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दिव्यांगजनों के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारा है और उनके मनोबल को अभूतपूर्व ऊँचाई दी है ।
- शैक्षणिक मार्गदर्शन: हम केवल कौशल ही नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी छात्रों का निरंतर मार्गदर्शन कर रहे हैं, जिससे उनके लिए सरकारी नौकरियों के द्वार खुल रहे हैं ।
- सामाजिक प्रभाव: समाज के सबसे वंचित और हाशिए पर रहने वाले दिव्यांग व्यक्तियों तक पहुँचकर उन्हें पुनर्वास और शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है ।
- समावेशी पहल: हमने समाज में दिव्यांगता के प्रति व्याप्त रुढ़ियों को तोड़कर एक संवेदनशील और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सफलता प्राप्त की है ।

ऑफलाइन सेंटर की आवश्यकता क्यों? (The Need for an Offline Center)

यद्यपि तकनीकी प्रगति ने दूरस्थ शिक्षा (Online Education) को संभव बनाया है, लेकिन दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए इसके परिणाम और प्रभाव अत्यंत सीमित रहे हैं । एक भौतिक 'ऑफलाइन सेंटर' केवल एक इमारत नहीं, बल्कि उनके सशक्तिकरण और स्वावलंबन के लिए एक अनिवार्य आधारशिला है । इसकी मुख्य आवश्यकताएँ निम्नलिखित हैं:
ऑनलाइन शिक्षा की सीमाएं (Limitations of Online Learning)
· व्यावहारिक प्रशिक्षण का अभाव: कंप्यूटर सॉफ्टवेयर (NVDA/JAWS) और स्मार्टफोन एक्सेसिबिलिटी को केवल सुनकर सीखना अत्यंत कठिन होता है ।
· हैंड्स-ऑन अनुभव: इसके लिए प्रशिक्षक की व्यक्तिगत उपस्थिति और प्रत्यक्ष अनुभव (Hands-on experience) की अनिवार्य आवश्यकता होती है ।
· व्यक्तिगत मार्गदर्शन: प्रत्येक छात्र की सीखने की गति अलग होती है, जिसे ऑफलाइन सेंटर में शिक्षक तुरंत पहचान कर समाधान कर सकते हैं ।
· तकनीकी बाधाएं: ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की अस्थिरता और बिजली की समस्या ऑनलाइन शिक्षा में निरंतर व्यवधान पैदा करती है |
एक सुरक्षित और सुलभ वातावरण (A Safe & Accessible Environment)
· पीयर लर्निंग (Peer Learning): जब दिव्यांग छात्र एक साथ रहते हैं, तो वे एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हैं, जिससे उनके आत्मविश्वास में अभूतपूर्व वृद्धि होती है |

· ओरिएंटेशन और मोबिलिटी: स्वतंत्र रुप से सुरक्षित चलने-फिरने का प्रशिक्षण (Mobility Training) केवल एक भौतिक परिसर में ही प्रभावी ढंग से दिया जा सकता है |
· सुरक्षित आवास: कई मेधावी छात्र केवल इसलिए शिक्षा से वंचित रह जाते हैं क्योंकि उनके पास शहर में रहने के लिए कोई सुलभ या सुरक्षित स्थान नहीं होता |
सर्वांगीण विकास का केंद्र (Center for Holistic Development).
· बाधा-मुक्त बुनियादी ढांचा: यह सेंटर टेकटाइल पाथवे और सुलभ शौचालयों जैसी सुविधाओं से लैस होगा, जो छात्रों को एक स्वतंत्र जीवन जीने का अनुभव देगा ।
· संसाधनों तक सामूहिक पहुँच: ब्रेल डिस्प्ले और स्क्रीन रीडर्स जैसे महंगे सहायक उपकरणों (Assistive Technologies) को एक ऑफलाइन सेंटर में सामूहिक रुप से उपलब्ध कराया जा सकता है ।
· सामाजिक समावेशन: यहाँ छात्र केवल कौशल ही नहीं सीखेगे, बल्कि विभिन्न सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक रुप से भी सक्रिय होगें।

संचालित होने वाले मुख्य कार्यक्रम (Key Programs)

देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल में हम केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि एक पूर्ण जीवन कौशल (Life Skills) प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे केंद्र में निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्यक्रम नियमित रुप से संचालित किए जाएंगे:
· अत्याधुनिक I.C.T. प्रशिक्षण: दृष्टिबाधित छात्रों को बेसिक से लेकर एडवांस कंप्यूटर कोडिंग, सॉफ्टवेयर विकास और स्मार्टफोन एक्सेसिबिलिटी का गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा ।
· प्रतियोगी परीक्षा तैयारी केंद्र: सरकारी नौकरियों और बैंक परीक्षाओं के लिए विशेष कोचिंग प्रदान की जाएगी, ताकि छात्र प्रशासनिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में अपना स्थान बना सकें ।
· ओरिएंटेशन और मोबिलिटी ट्रेनिंग: छात्रों को सफेद छड़ी (White Cane) के साथ स्वतंत्र रुप से चलने-फिरने और अपने परिवेश को सुरक्षित रुप से समझने का व्यावहारिक अभ्यास कराया जाएगा ।
·अंग्रेजी भाषा एवं संचार कौशल (English Speaking & Communication): वैश्विक स्तर पर अवसरों को भुनाने के लिए छात्रों को विशेष रुप से अंग्रेजी बोलने, लिखने और प्रभावी संवाद करने का गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा |
· शतरंज (Chess) एवं मानसिक खेल प्रशिक्षण: दृष्टिबाधित छात्रों की एकाग्रता, रणनीतिक सोच और मानसिक तीक्ष्णता को बढ़ाने के लिए पेशेवर शतरंज का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा |
· सॉफ्ट स्किल्स और व्यक्तित्व विकास: आत्मविश्वास निर्माण, प्रभावी संचार (Communication Skills) और भाषा ज्ञान (हिंदी व अंग्रेजी) पर विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी |
· व्यावसायिक एवं कौशल विकास: छात्रों की रुचि के अनुसार संगीत, हस्तशिल्प और अन्य लघु उद्योगों का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार के लिए तैयार किया जाएगा |

प्रस्तावित सेंटर की मुख्य सुविधाएँ (Key Facilities)

देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल की संरचना को अत्यंत सूक्ष्मता से डिजाइन किया गया है, ताकि यह दृष्टिबाधित बच्चों की हर आवश्यकता को पूरा कर सके और उन्हें एक सुरक्षित व समृद्ध वातावरण प्रदान कर सके। यह केंद्र निम्नलिखित अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा:

अत्याधुनिक शिक्षण एवं तकनीक (Modern Education & Tech)

- स्मार्ट कंप्यूटर लैब: यह लैब विशेष स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर (NVDA/JAWS) और आधुनिक तकनीक से लैस होगी, जहाँ छात्र कोडिंग, डिजाइनिंग और डिजिटल कौशल सीख सकेंगे।
- ब्रेल लाइब्रेरी: डिजिटल और भौतिक ब्रेल पुस्तकों का एक विशाल संग्रह, जो छात्रों के लिए ज्ञान की दुनिया के द्वार खोलेगा।
- स्पर्श संग्रहालय (Sensory Museum): स्पर्श-आधारित प्रदर्शनियों के माध्यम से सीखने का एक अनूठा अनुभव, जो छात्रों की जिज्ञासा और कल्पना को नई उड़ान देगा।

आवासीय एवं दैनिक जीवन (Residential & Daily Life)

- स्वच्छ और सुरक्षित छात्रावास: आधुनिक सुविधाओं से युक्त आरामदायक कमरे, जहाँ छात्रों को घर जैसा सुरक्षित माहौल मिलेगा।
- पौष्टिक भोजनशाला: एक विशाल और स्वच्छ भोजनशाला, जहाँ छात्रों के समग्र विकास के लिए संतुलित और पौष्टिक भोजन सुनिश्चित किया जाएगा।
- दैनिक जीवन कौशल कक्ष: छात्रों को स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक व्यावहारिक सामाजिक और घरेलू कौशल का प्रशिक्षण।
- स्वास्थ्य, अध्यात्म और मनोरंजन (Health, Spirit & Fun)
- चिकित्सा और पुनर्वास: विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट और मनोचिकित्सकों द्वारा नियमित जांच, साथ ही प्राथमिक उपचार हेतु परिसर में औषधालय की सुविधा।
- योग और जिम: शारीरिक फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य के लिए समर्पित क्षेत्र।
- शांतिपूर्ण मंदिर: आध्यात्मिक ज्ञान और आंतरिक शांति के लिए एक पवित्र स्थान।
- मनोरंजन और बगीचा: ऑडियो-विजुअल उपकरणों से लैस मनोरंजन कक्ष और प्रकृति के करीब रहने के लिए एक सुंदर बगीचा।
- बाधा-मुक्त बुनियादी ढांचा (Accessible Infrastructure)
- सुलभ आवागमन: सभी मंजिलों पर पहुँचने के लिए ब्रेल लिपि अंकन वाली लिफ्ट और व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के लिए रैंप की सुविधा।
- सुरक्षा और कनेक्टिविटी: 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा गार्ड और पूरे परिसर में हाई-स्पीड वाई-फाई की सुविधा।
- विशेष वाहन सुविधा: छात्रों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा के लिए विशेष रुप से सुसज्जित वाहन की व्यवस्था।

प्रस्तावित बजट का विवरण (Proposed Budget Breakdown)

- देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल के इस महत्वाकांक्षी ऑफलाइन सेंटर के निर्माण और संचालन के लिए आवश्यक अनुमानित बजट को निम्नलिखित श्रेणियों में विभाजित किया गया है। हम दानदाताओं को पूर्ण पारदर्शिता और ऑडिट रिपोर्ट का आश्वासन देते हैं:
- (क) निर्माण एवं बुनियादी ढांचा लागत (Construction & Infrastructure Cost)Rs.5000000
- एक बाधा-मुक्त (Accessible) परिसर के निर्माण के लिए विशेष इंजीनियरिंग की आवश्यकता होती है। इसमें निम्नलिखित व्यय सम्मिलित हैं:
- भवन निर्माण: दो मंजिला भवन जिसमें क्लासरुम, छात्रावास, भोजनशाला और मंदिर का निर्माण शामिल है ।
- एक्सेसिबिलिटी फीचर्स: पूरे परिसर में टेकटाइल पाथवे (स्पर्श मार्ग), रैंप, और ब्रेल लिपि युक्त लिफ्ट की स्थापना ।
- विशेष कक्ष: दैनिक जीवन कौशल कक्ष, स्पर्श संग्रहालय और चिकित्सा केंद्र का निर्माण ।
- (ख) तकनीकी उपकरण एवं फर्नीचर (Equipment & Furniture)
- दृष्टिबाधित छात्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आधुनिक उपकरणों की आवश्यकता है:
- स्मार्ट लैब उपकरण: विशेष स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर (NVDA/JAWS) युक्त कंप्यूटर, ब्रेल डिस्प्ले और एम्बॉसर ।
- ब्रेल लाइब्रेरी: डिजिटल और भौतिक ब्रेल पुस्तकों का संग्रह एवं रीडिंग मशीनें ।
- आवासीय फर्नीचर: छात्रों के लिए आरामदायक बिस्तर, अलमारियाँ, और अध्ययन हेतु विशेष डिजाइन की गई मेज व कुर्सियाँ ।
- सुरक्षा उपकरण: पूरे परिसर में 24 घंटे निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे और आग बुझाने वाले यंत्र ।
- छात्र कल्याण: छात्रों के लिए पौष्टिक भोजन, चिकित्सा सुविधा और विशेष वाहन का ईंधन व रखरखाव ।

दानदाता को लाभ और अपील (Impact & Appeal)

- देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल में आपका सहयोग केवल एक दान नहीं, बल्कि एक दृष्टिबाधित छात्र के अंधकारमय जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का माध्यम है। आपके योगदान से होने वाले परिवर्तन और आपको मिलने वाले लाभ निम्नलिखित हैं:
- (क) एक जीवन में बदलाव की कहानी (Impact of your Support)
- सशक्तीकरण: आपकी सहायता से एक दृष्टिबाधित छात्र आधुनिक कंप्यूटर कोडिंग और डिजिटल कौशल सीखकर आत्मनिर्भर बन सकेगा ।
- स्वतंत्रता: हमारे बाधा-मुक्त परिसर और ओरिएंटेशन ट्रेनिंग के माध्यम से, छात्र बिना किसी सहारे के सम्मानजनक और स्वतंत्र जीवन जी सकेंगे ।
- मुख्यधारा से जुड़ाव: आपके सहयोग से छात्र न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होंगे, बल्कि समाज की मुख्यधारा में अपनी पहचान बना पाएंगे ।
- पूर्ण जवाबदेही: हम अपने प्रत्येक दानदाता को ऑडिट रिपोर्ट और दान किए गए कोष के सदुपयोग का नियमित विवरण प्रदान करने का आश्वासन देते हैं ।

- (ख) पारदर्शिता और विश्वसनीयता (Transparency & Trust)
- पंजीकृत संस्था: देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल एक पंजीकृत सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट है (रजिस्ट्रेशन संख्या: 313/2025) ।
- पूर्ण जवाबदेही: हम अपने प्रत्येक दानदाता को ऑडिट रिपोर्ट और दान किए गए कोष के सदुपयोग का नियमित विवरण प्रदान करने का आश्वासन देते हैं ।
- जमीनी अनुभव: संस्था का नेतृत्व स्वयं एक दृष्टिबाधित शिक्षक, श्री अमित सिंह नेगी जी कर रहे हैं, जो संसाधनों के सही उपयोग और छात्रों की वास्तविक जरुरतों को बेहतर समझते हैं ।
- (ग) दानदाताओं का सम्मान (Recognition of Donors)

अविस्मरणीय पहचान: ₹5,00,000 या उससे अधिक का दान देने वाले महानुभावों का नाम केंद्र की मुख्य 'डोनर वॉल' (Donor Wall) पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जाएगा |

- स्मृति स्वरुप नामकरण: विशिष्ट दानदाता अपने किसी प्रियजन की स्मृति में गुरुकुल के किसी विशेष कक्ष (जैसे कंप्यूटर लैब या लाइब्रेरी) का नामकरण कर सकते हैं ।
- सांस्कृतिक सहभागिता: हमारे वार्षिक उत्सवों और विशेष कार्यक्रमों में दानदाताओं को मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया जाएगा ताकि वे स्वयं अपनी आंखों से बदलाव की लहर देख सकें।
- (घ) आयकर में छूट: देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल एक पंजीकृत ट्रस्ट है। हमारे संस्थान को दिया गया आपका दान आयकर अधिनियम की धारा 80G के तहत 50% की छूट के लिए पात्र है। दान के पश्चात आपको इसकी रसीद प्रदान की जाएगी, जिसका उपयोग आप अपने टैक्स रिटर्न में कर सकते हैं।

- अपील:
- "हमारा लक्ष्य केवल ईंट-गारे की इमारत खड़ा करना नहीं, बल्कि आत्मविश्वास की एक ऐसी नींव रखना है जिस पर खड़े होकर हमारे दिव्यांग बच्चे अपनी किस्मत खुद लिख सकें। आइए, इस पुनीत कार्य में हमारे सहभागी बनें।"
- देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल में आपका सहयोग केवल एक दान नहीं, बल्कि एक दृष्टिबाधित छात्र के अंधकारमय जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का माध्यम है। आपके योगदान से होने वाले परिवर्तन और आपको मिलने वाले लाभ निम्नलिखित हैं:
- (क) एक जीवन में बदलाव की कहानी (Impact of your Support)
- सशक्तीकरण: आपकी सहायता से एक दृष्टिबाधित छात्र आधुनिक कंप्यूटर कोडिंग और डिजिटल कौशल सीखकर आत्मनिर्भर बन सकेगा ।
- स्वतंत्रता: हमारे बाधा-मुक्त परिसर और ओरिएंटेशन ट्रेनिंग के माध्यम से, छात्र बिना किसी सहारे के सम्मानजनक और स्वतंत्र जीवन जी सकेंगे ।
- मुख्यधारा से जुड़ाव: आपके सहयोग से छात्र न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होंगे, बल्कि समाज की मुख्यधारा में अपनी पहचान बना पाएंगे ।
- (ख) पारदर्शिता और विश्वसनीयता (Transparency & Trust)
- पंजीकृत संस्था: देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल एक पंजीकृत सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट है (रजिस्ट्रेशन संख्या: 313/2025) ।

- जमीनी अनुभव: संस्था का नेतृत्व स्वयं एक दृष्टिबाधित शिक्षक, श्री अमित सिंह नेगी जी कर रहे हैं, जो संसाधनों के सही उपयोग और छात्रों की वास्तविक जरुरतों को बेहतर समझते हैं ।
- (ग) दानदाताओं का सम्मान (Recognition of Donors)
  अविस्मरणीय पहचान: ₹5,00,000 या उससे अधिक का दान देने वाले महानुभावों का

नाम केंद्र की मुख्य 'डोनर वॉल' (Donor Wall) पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जाएगा |

- स्मृति स्वरुप नामकरण: विशिष्ट दानदाता अपने किसी प्रियजन की स्मृति में गुरुकुल के किसी विशेष कक्ष (जैसे कंप्यूटर लैब या लाइब्रेरी) का नामकरण कर सकते हैं ।
- सांस्कृतिक सहभागिता: हमारे वार्षिक उत्सवों और विशेष कार्यक्रमों में दानदाताओं को मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया जाएगा ताकि वे स्वयं अपनी आंखों से बदलाव की लहर देख सकें।
- (घ) आयकर में छूट: देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल एक पंजीकृत ट्रस्ट है। हमारे संस्थान को दिया गया आपका दान आयकर अधिनियम की धारा 80G के तहत 50% की छूट के लिए पात्र है। दान के पश्चात आपको इसकी रसीद प्रदान की जाएगी, जिसका उपयोग आप अपने टैक्स रिटर्न में कर सकते हैं।

- अपील:
- "हमारा लक्ष्य केवल ईंट-गारे की इमारत खड़ा करना नहीं, बल्कि आत्मविश्वास की एक ऐसी नींव रखना है जिस पर खड़े होकर हमारे दिव्यांग बच्चे अपनी किस्मत खुद लिख सकें। आइए, इस पुनीत कार्य में हमारे सहभागी बनें।"

संपर्क सूत्र (Call to Action)

देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल के इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने के लिए आप निम्नलिखित माध्यमों से हमसे संपर्क कर सकते हैं और अपना सहयोग प्रदान कर सकते हैं:

(क) संस्था का विवरण (Organizational Details)

- संस्था का नाम: देवभूमि दिव्यांगजन गुरुकुल (एक पंजीकृत सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट) ।
- रजिस्ट्रेशन संख्या: 313/2025 ।
- मुख्यालय: विकासनगर, देहरादून (उत्तराखंड) ।
- संस्थापक एवं मैनेजिंग ट्रस्टी: श्री अमित सिंह नेगी ।

(ख) आर्थिक सहयोग हेतु बैंक विवरण (Bank Details for Donation)

- बैंक का नाम: भारतीय स्टेट भैंक
- खाता संख्या (Account No.): 44885535645
- आईएफएससी कोड (IFSC Code): SBIN0008001
- शाखा (Branch): Vikasnagar, Dehradun, Uttarakhand

(ग) सीधा संपर्क (Direct Contact)

यदि आप परिसर का भ्रमण करना चाहते हैं या इस परियोजना के बारे में विस्तार से चर्चा करना चाहते हैं, तो कृपया हमसे संपर्क करें:

- मोबाइल नंबर: +91-8923332987
- ईमेल: ddgamitsinghnegi@gmail.com
- वेबसाइट/सोशल मीडिया: www.ddg.org.in

(घ) डिजिटल भुगतान (UPI/QR Code)

- UPI ID: 9997440219@sbi

ASSOCIATE ORGANIZATION : FRONTIER JEWELLERS & HIMALAYA WELL

विश्व दिव्यांग दिवस
3 दिसंबर, 2024

मृनाल

उत्तराखण्ड क्षत्रिय कल्याण समिति, देहरादून